ई0पत्रावली संख्या–66436

प्रेषक,

डा0 आर0 राजेश कुमार, I.A.S,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रमुख अभियन्ता,
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,
देहरादून।

सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण अनुभाग–2 **देहरादून, दिनांक, नवम्बर, 2024**

विषयः– वित्तीय वर्ष 2024–25 में अनुदान सं0–20 पूंजीलेखा के राज्य सैक्टर के अन्तर्गत मानसून अवधि में बाढ कार्यों/क्षतिग्रस्त परिसम्पत्तियों का पुनर्निर्माण मद के अन्तर्गत योजनाओं की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या–3060/प्र0अ0/सिं0वि0/बजट/पी0–27(राज्य सैक्टर), दिनांक 15.07.2024 में किये गये प्रस्ताव के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2024–25 में राज्य सैक्टर मानसून अवधि में बाढ़ कार्यों का सम्पादन/क्षतिग्रस्त परिसम्मपतियों का पुनर्निर्माण/बाढ़ सुरक्षात्मक कार्यों का निर्माण मद में संलग्नक–1 में अंकित 03 योजनाओं की विभागीय टी0ए0सी0 द्वारा संस्तुत कुल औचित्यपूर्ण लागत रू0 186.69 लाख (रूपये एक करोड़ छियासी लाख उन्हत्तर हजार मात्र) की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किस्त के रूप में रू0 74.67 लाख **(रूपये चौहत्तर लाख सड़सठ हजार मात्र)** की धनराशि व्यय हेतु निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैंः–

(i) योजना पर कार्य प्रारम्भ कराये जाने से पूर्व वित्त विभाग के शासनादेश दिनांक 12.06.2023 के अनुसार जिला स्तर पर गठित स्थलीय चयन समिति की सहमति प्राप्त किये जाने के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ कराया जाय।

(ii) कार्य की स्वीकृत लागत के सापेक्ष निविदा उपरान्त सफल निविदादाता से किये गये अनुबन्धानुसार वास्तविक व्यय के आधार पर धनराशि व्यय की जायेगी तथा स्वीकृत लागत के सापेक्ष व्यय के फलस्वरूप यदि धनराशि अवशेष बचती है तो अवशेष बचत धनराशि को राजकोष में जमा किया जायेगा।

(iii) योजना की गुणवत्ता एवं मितव्ययता का विशेष ध्यान रखते हुए कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाय।

(iv) योजना की अन्तिम किश्त का भुगतान कार्य की गुणवत्ता के Third Party Audit कराये जाने के उपरान्त ही किया जाय। इस हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियंता एवं अधीक्षण अभियंता उत्तरदायीं होगें।

(v) सम्बन्धित धनराशि का व्यय प्रश्नगत योजना के अन्तर्गत किया जायेगा, धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे। जहां कही आवश्यक हो यथावश्यकता सक्षम अधिकारी/शासन की स्वीकृति व्यय से पूर्व प्राप्त कर ली जाय।

(vi) बाढ़ संबंधी कार्यो की स्वीकृतियॉ आपदा विभाग के स्तर से होने के दृष्टिगत योजनाओं की स्वीकृति में पुर्नावृत्ति/दोहराव न होने के पुष्टि भी अवश्य कर ली जाये। यदि किसी योजना की स्वीकृति आपदा विभाग से हो जाती है तो स्वीकृत योजना की धनराशि नियमानुसार शासन को समर्पित की जाय। इसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व प्रमुख अभियंता, सिंचाई विभाग का होगा।

(vii) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए तथा कराये जा रहे कार्यों की Geo Tagging करायी जाय।

(viii) किसी भी दशा में योजना की लागत को पुनरीक्षित नहीं किया जायेगा।

(ix) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।

(x) धनराशि व्यय करने से पूर्व यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त स्वीकृत कार्य किसी अन्य योजना/विभाग से स्वीकृत/वित्त पोषित न हो। अन्य योजना/विभाग से स्वीकृत/वित्त पोषित होने की दशा में इस शासनादेश द्वारा स्वीकृत धनराशि का उपयोग न किया जाय।

(xi) सभी निर्माण कार्य समय–समय पर गुणवत्ता एवं मानकों के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेशों के अनुरूप कराये जायें।

(xii) कार्यों की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई विभाग पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे।

(xiii) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।

(xiv) स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31 मार्च, 2025 तक पूर्ण उपभोग कर लिया जाये। उक्त अवमुक्त की जा रही धनराशि के सम्बन्ध में यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि पूर्व में उक्त योजनाओं हेतु कोई धनराशि तो अवमुक्त नहीं की गयी है, अर्थात् दोहराव की स्थिति उत्पन्न न हो। यदि ऐसी कोई अनियमितता पायी जाती है तो इस हेतु प्रमुख अभियन्ता, सिंचाई विभाग एवं अन्य सम्बन्धित अधिकारी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

(xv) आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

(xvi) शासनादेश संख्या 2047/XIV–219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।

(xvii) स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपभोग दिनांक 31.03.2025 तक करना सुनिश्चित किया जायेगा तथा कृत कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा। अवमुक्त धनराशि का उपभोग प्रमाण पत्र यथासमय शासन को उपलब्ध कराया जाये।

(xviii) स्वीकृत लागत के सापेक्ष कार्य के क्रियान्वयन में यदि कम धनराशि व्यय होती है तो शेष धनराशि शासन को समर्पित कर दी जाय अर्थात् Parking of Fund नहीं किया जायेगा।

(xix) उक्त व्यय में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2017 तथा मितव्ययता के सम्बंध में समय–समय पर निर्गत किये गये आदेशों एवं निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाये।

(xx) वित्त विभाग के शासनादेश संख्या–201358/09(150)2019/XXVII(1)/2024, दिनांक 22 मार्च, 2024 में दिये गये दिशा–निर्देशों का कडाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये और वांछित सूचनायें निर्धारित प्रपत्रों पर यथासमय शासन को उपलब्ध करा दी जाये।

2– इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2024–25 में अनुदान संख्या–20 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 4711–बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं पर पूंजीगत परिव्यय–01–बाढ़ नियंत्रण–103–सिविल निर्माण कार्य–07–मानसून अवधि में बाढ़ सुरक्षा कार्यों का सम्पादन/क्षतिग्रस्त परिसम्पत्तियों का पुनर्निर्माण– 53–वृहत निर्माण कार्य के लिए भुगतान मद के नामे डाला जायेगा।

3– यह आदेश वित्त अनुभाग–2 की कम्प्यूटरजनित संख्या–।/254011/2024, दिनांक 18 नवम्बर 2024 में प्राप्त उनकी सहमति के क्रम में जारी किया जा रहा है।

संलग्नक–Allotment ID.

भवदीय,

Signed by
Rajan Rajesh Kumar
Date: 21-11-2024 12:55:06

(डा0 आर0 राजेश कुमार)
सचिव।

ई0पत्रावली संख्या–66436, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. महालेखाकार (ऑडिट) उत्तराखण्ड कौलागढ़ रोड, देहरादून।
2. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) कौलागढ़ रोड, देहरादून।
3. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तरकाशी, उत्तराखण्ड।
5. वित्त अनुभाग–2, उत्तराखण्ड शासन।
6. गार्ड फाईल।

संलग्नक–1

(धनराशि लाख रू0 में)

क्र0सं0	योजना का नाम	लागत	वित्तीय वर्ष 2024–25 में अवमुक्त की जानी वाली धनराशि
1	जनपद उत्तरकाशी के विकासखण्ड पुरोला में ग्राम गुंदियाटगांव के गसेरी खडड में कृषि भूमि की बाढ़ सुरक्षात्मक कार्य की योजना।	62.93	25.17
2	जनपद उत्तरकाशी के विकासखण्ड नौगांव में ग्राम क्वालगांव के पालपनियारा नामे तोक में गदेरे के दोनों ओर बाढ़ सुरक्षात्मक कार्य की योजना।	63.89	25.55
3	जनपद उत्तरकाशी के विकासखण्ड के ग्राम पंचायत पुजेली खलाडी के मालगाड के घटुका नामे तोक में बाढ़ सुरक्षात्मक योजना।	59.87	23.95
	कुल योग	186.69	**74.67**

(रूपये चौहत्तर लाख सडसठ हजार मात्र)

Signed by
Jai Lal Sharma
Date: 21-11-2024 13:03:27

(जे0एल0शर्मा)
संयुक्त सचिव।